633. भोगीलाल पाण्ड्या, हरिदेव जोशी एवं शिवलाल कोटड़िया स्वतंत्रता सेनानी किस क्षेत्र के प्रजामण्डल से संबद्ध थे?

(a) डूंगरपुर (b) बांसवाड़ा
(c) प्रतापगढ़ (d) उदयपुर

कनिष्ठ अभियंता (कृषि) सीधी भर्ती परीक्षा-10.09.2022

Ans. (a)– वर्ष 1944 में श्री भोगीलाल पांड्या की अध्यक्षता में डुंगरपुर प्रजामंडल की स्थापना की गई। श्री हरिदेव जोशी, श्री शिवलाल कोटड़िया, श्री मणिक्य लाल वर्मा, श्री गौरीशंकर उपाध्याय आदि इसके संस्थापक सदस्यों में थे।

634. स्वामी दयानंद सरस्वती द्वारा उदयपुर में 'परोपकारिणी सभा' की स्थापना कब की गई थी?

(a) 1880 ई. (b) 1883 ई.
(c) 1860 ई. (d) 1875 ई.

कनिष्ठ अभियंता (कृषि) सीधी भर्ती परीक्षा-10.09.2022

Ans. (b) – स्वामी दयानन्द सरस्वती ने 1883 ई. में उदयपुर में परोपकारिणी सभा का गठन किया। स्वामी दयानन्द ने सर्वप्रथम परोपकारिणी सभा का गठन 1880 ई. में मेरठ में किया था।

635. 'देश-हितेषणी सभा' .....को स्थापित की गई थी।

(a) 2 जुलाई, 1867 (b) 2 जुलाई, 1880
(c) 2 जुलाई, 1870 (d) 2 जुलाई, 1877

पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-III परीक्षा तिथि:19-09-2020

Ans. (d) – 'देश हितैषणी सभा' की स्थापना महाराणा सज्जन सिंह द्वारा 2 जुलाई 1877 ई. को उदयपुर में की गयी। इसका उद्देश्य राजपूतों की वैवाहिक समस्याओं को सुलझाना था। इस सभा ने राजपूतों में उत्पन्न विवाह संबंधी कठिनाइयों को दूर करनेके लिए दो प्रकार के प्रतिबन्ध लगाये-

1. राजपूतों में विवाह के अवसर पर खर्च कम कर दिया गया तथा
2. राजपूतों, ब्राह्मणों और महाजनों में बहु विवाह के संबंध में नियम बना दिए गए।

636. राजस्थान में संगठित किसान आन्दोलन कहाँ से आरम्भ हुआ था?

(a) बिजौलिया (b) बेगूँ
(c) अलवर (d) सीकर

पशुधन सहायक भर्ती परीक्षा-2018

Ans. (a) – बिजौलिया आन्दोलन मेवाड़ राज्य के किसानों द्वारा 1897 ई. में आरम्भ हुआ। यह राजस्थान का प्रथम किसान आन्दोलन था। इस आन्दोलन का प्रमुख कारण किसानों पर 84 प्रकार का दमनकारी कर लगाया जाना था। यह आन्दोलन बिजौलिया जागीर से प्रारम्भ हुआ। इसका नेतृत्व विभिन्न समयों पर विभिन्न लोगों ने किया जिनमें साधु सीताराम दास, विजय सिंह पथिक, माणिक्य लाल वर्मा के नाम उल्लेखनीय है।

637. निम्न में से राजस्थान का प्रथम किसान आन्दोलन कौन सा है?

(a) एकी किसान आंदोलन
(b) बिजौलिया किसान आंदोलन
(c) बेगूं किसान आंदोलन
(d) दुदवा खारा किसान आंदोलन

मोटर वाहन उप-निरीक्षक -2021 (Paper-I)

Ans. (b) – उपरोक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

638. मारवाड़ किसान आंदोलन का प्रमुख नेता कौन था?

(a) जय नारायण व्यास (b) विजय सिंह पथिक
(c) मोतीलाल तेजावत (d) इनमें से कोई नहीं

मोटर वाहन उप-निरीक्षक -2021 (Paper-I)

Ans. (a) – मारवाड़ किसान आंदोलन के प्रमुख नेता जय नारायण व्यास थे। 1923 ई. में जय नारायण व्यास ने मारवाड़ हितकारिणी सभा का गठन किया तथा इसके माध्यम से किसानों की समस्याओं के प्रति सक्रिय जनमत तैयार किया। इन्होंने अपने समाचार पत्र तरूण राजस्थान के माध्यम से किसानों की दुर्दशा तथा जमीदारों के जुल्मों का पर्दाफाश किया।

639. सीकर आंदोलन की उल्लेखनीय महिला नेता कौन थी?

(a) धापी दादी (b) किशोरी देवी
(c) जानकी देवी बजाज (d) अंजना देवी चौधरी

मोटर वाहन उप-निरीक्षक -2021 (Paper-I)

Ans. (b) – सीकर आंदोलन (अप्रैल-1934) की उल्लेखनीय महिला नेता श्रीमती किशोरी देवी थीं। जो प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी सरदार हरलाल सिंह की पत्नी थीं। सीकर आंदोलन में महिलाओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सीकर आंदोलन की शुरूआत सीकर क्षेत्र के नये राव राजा कल्याण सिंह द्वारा भूराजस्व में वृद्धि से हुई। श्रीमती दुर्गा देवी शर्मा, श्रीमती फूलन देवी, श्रीमती रमा देवी जोशी, श्रीमती उत्तमा देवी और कई अन्य इस आंदोलन की प्रतिभागियों में शामिल थीं।

640. 'धौलपुर प्रजामंडल' के प्रथम अध्यक्ष कौन थे?

(a) माणिक्य लाल वर्मा (b) विधि शंकर त्रिवेदी
(c) कृष्ण दत्त पालीवाल (d) मास्टर आदित्येंद्र

JEN Civil Diploma 21.08.2016
मोटर वाहन उप-निरीक्षक -2021 (Paper-I)

Ans. (c) – धौलपुर प्रजामण्डल के प्रथम अध्यक्ष कृष्ण दत्त पालीवाल थे। धौलपुर प्रजामंडल की स्थापना 1936 ई. में श्री कृष्णदत्त पालीवाल तथा ज्वाला प्रसाद जिज्ञासु के नेतृत्व में हुई थी। इस प्रजामण्डल का उद्देश्य जवाबदेही, शासन और नागरिक अधिकारों की रक्षा करना था।

	कुछ अन्य प्रजामण्डल		संस्थापक
(i)	जयपुर प्रजामण्डल	-	जमनालाल बजाज और कपूर चंद पाटनी
(ii)	बूंदी प्रजामण्डल	-	कांतिलाल
(iii)	हाड़ोती प्रजामण्डल	-	पं. नयनू राम शर्मा
(iv)	मेवाड़ प्रजामण्डल	-	मणिक्य लाल वर्मा

641. 'किसान पंचायत' जिसकी स्थापना सन् 1916-1917 ई. में की गई थी, इस संगठन का संबंध था-

(a) जयपुर (b) शेखावटी
(c) डूँगरपुर (d) बिजौलिया

Librarian Exam Date-13.11.2016

Ans. (d) – किसान पंचायत की स्थापना 1916-17 ई. में की गई थी। इस संगठन का संबंध बिजौलिया किसान आन्दोलन से है। वर्ष 1916 में जब विजय सिंह पथिक ने इसका नेतृत्व संथाला, तब उन्होंने किसान पंचायत की स्थापना की। बिजौलिया किसान आन्दोलन 1847 ई. से प्रारम्भ होकर करीब अर्द्ध शताब्दी तक चलता रहा।